



एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 04, अंक: 06 (नवंबर-दिसंबर, 2024)

www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

सब्जियों की गुणवत्ता में नर्सरी की उपयोगिता एवं लाभ

(डॉ. संध्या¹, डॉ. मुकुल² एवं डॉ. मनोज कुमार¹)

¹कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

²बीज अधिकारी, राजस्थान राज्य बीज निगम समिति, पन्त कृषि भवन, जयपुर

*संवादी लेखक का ईमेल पता: manoj.vishnoi108@gmail.com

उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों की खेती के लिए एक अच्छी नर्सरी आवश्यक होती है। जो सब्जियों के पौधों की सही वृद्धि और उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण होती है। नर्सरी एक ऐसी स्थल है जिसके लिए आदर्श जलवायु भूमि तथा सिंचाई व्यवस्था आवश्यक है। नर्सरी का उद्देश्य आदर्श पौधे तैयार करना है। अतः नर्सरी प्रबंध उचित ढंग से करना आवश्यक है। नर्सरी का उचित प्रबंध तथा पौध प्रतिरोपण सब्जी उत्पादन के दो महत्वपूर्ण पहलु हैं।

सब्जियों की नर्सरी के प्रकार

- ऊपर उठी हुई क्यारियां (रेज बेड):- वर्षा एव ढंड के मौसम में पौध तैयार करने हेतु ऊपर उठी हुई क्यारियां बनाते हैं।
 - समतल क्यारियां (फ्लेट बेड):- गर्मी के मौसम में पौध तैयार करने हेतु समतल क्यारियां बनाते हैं।
- महत्वपूर्ण चरण जो एक सब्जी के पौधों की नर्सरी की तैयारी में ध्यान में रखने चाहिए निम्नलिखित हैं:

1. स्थान का चयन

- सब्जियों के पौधों की नर्सरी के लिए एक सुरक्षित, सूर्यप्रकाशित और भूमिगत जगह का चयन करना चाहिए।
- भूमि में कम जल भराव, उचित द्रव्यमान और वायु संवेदनशीलता का होना भी महत्वपूर्ण होता है।
- सब्जियों के पौधों के लिए प्रत्येक साल जगह बदल लेनी चाहिए।

2. मिट्टी का चयन

सब्जियों के पौधों के लिए अच्छी क्षमता और वायुशीलता वाली मिट्टी का चुनाव करना चाहिए, जो पौधों के लिए पोषक तत्वों की अच्छी संवहनी कर सके।

- कंपोस्ट या मल्व-** मिट्टी में कंपोस्ट या मल्व मिलाने से मिट्टी की उपजाऊता बढ़ती है और पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान होते हैं।
- कीटाणुनाशक-** मिट्टी में कीटाणुनाशक मिलाने से कीटों और प्रदुषकों का प्रकोप कम होता है और पौधों की सेहत बनी रहती है।
- उर्वरक-** मिट्टी में उर्वरक मिलाने से पौधों को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं और उनकी विकासशीलता में सुधार होता है।
- मिट्टी की उपजाऊता की जांच-** मिट्टी की उपजाऊता की जांच करनी चाहिए। इसके लिए कुछ मिट्टी को हाथ में लेकर बारीकी से पिसने पर अगर मिट्टी आसानी से टूट जाती है और मूर्दार होती है, तो वह उपजाऊ है।
- मिट्टी की नमी-** बहुत ज्यादा सूखी मिट्टी या बहुत ज्यादा गीली मिट्टी उपयुक्त नहीं होती है। मिट्टी की उचित नमी के लिए नियमित सिंचाई का इस्तेमाल करना चाहिए।

3. बीज चुनाव और प्रारंभिक देखभाल

- क्षेत्र के अनुसार सब्जियों की अनुमोदित किस्मों का चयन करना चाहिए।
- उचित गुणवत्ता वाले स्थानीय और प्राकृतिक बीजों का प्रयोग करना चाहिए, जो आपके क्षेत्र की भूमिका और मौसम के अनुसार समर्थ हों।
- बीजों को पूरी तरह से सुखा लेना चाहिए।
- बीजों की उम्र, किस्म, स्वास्थ्य और विकास क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए।
- अच्छे उत्पादकता और बीमारियों से मुक्त बीजों का चयन करना चाहिए।



4. बीज की बीजाई

- नर्सरी में बीजाई की प्रक्रिया को पंक्तियों 5 से 10 सेंटीमीटर की दूरी) में किया जाना चाहिए।
- इन पंक्तियों में 1 से 2 सेंटीमीटर की गहराई पर बीजों को बोया जाना चाहिए।
- छोटे बीजों को कम गहराई पर बोया जाना चाहिए, जबकि बड़े बीजों को गहरी गहराई पर बोया जाना चाहिए।
- बीजाई के बाद, मिट्टी की सतह पर गाय का गोबर या कॉम्पोस्ट की एक पतली परत फैलाई जानी चाहिए।
- फिर, नर्सरी को हल्के झरने के साथ पानी दिया जाना चाहिए ताकि पानी समान रूप से फैल सके।
- बीजाई के बाद, नर्सरी के कोनों पर फंगीसाइड या कार्बरिल पाउडर का हल्का छिड़काव किया जाना चाहिए, ताकि कीट और बीमारियों से बीजों को नुकसान न हो। बीजों के अंकुरित होने के लिए 5 से 6 हफ्ते और पौधों के विकसित होने के लिए 4 हफ्ते का समय लगता है, तब नर्सरी को बुआई के लिए तैयार किया जा सकता है।

5. सिंचाई और उर्वरक

सब्जियों के पौधों की नर्सरी की तैयारी के लिए सिंचाई और उर्वरक का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह दोनों तत्व पौधों के सही विकास और उत्पादकता के लिए आवश्यक होते हैं।

सिंचाई

- सिंचाई का प्रमुख उद्देश्य पौधों को पर्याप्त पानी प्रदान करना होता है।
- पौधों की उम्र, मौसम, और भूमि की नमी के आधार पर सिंचाई की आवश्यकता का निर्धारण करना चाहिए।
- सिंचाई का समय और विधि सही हो, ताकि पौधे सही रूप से पोषण प्राप्त कर सकें।

उर्वरक

- पौधों को सही मात्रा में पोषित करने के लिए उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए।
- पौधों की आवश्यकता के अनुसार नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की मात्रा का चयन करना चाहिए।
- समय-समय पर उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए, ताकि पौधों को सही पोषण मिले और उनकी विकास और उत्पादकता में सुधार हो सके।

6. संरक्षण और देखभाल

- नर्सरी में वायरस, कीटाणु और अन्य संक्रमणों के खिलाफ उचित संरक्षण उपाय अपनाने चाहिए।
- पौधों को नियमित अंतराल पर सिंचाई देनी चाहिए।
- पौधों को सही पोषण प्रदान करने के लिए उपयुक्त खाद का प्रयोग करना चाहिए।
- पौधों की नर्सरी को प्राकृतिक तरीके से संरक्षित करना चाहिए।
- नियमित रूप से पौधों की देखभाल, विशेष रूप से बारिश और तेज धूप के समय उन्हें स्वस्थ रखने के लिए उपायों का अनुसरण करना चाहिए।

7. प्रदर्शन और उत्पादन

- सब्जियों के पौधों की नर्सरी को नियमित रूप से प्रदर्शित करें, और उन्हें उत्पादन की तैयारी के लिए तैयार करें।
- अच्छी तरह से उपजाऊ और स्वास्थ्य सब्जियों के पौधों का चयन करें, और उन्हें बागवानी के लिए तैयार करें। इन चरणों का पालन करके, अच्छे स्वास्थ्य और उत्पादकता वाली नर्सरी तैयार की जा सकती है।

सब्जियों के पौधों की नर्सरी तैयार करने से लाभ

- नर्सरी के एक क्षेत्र में उगी पौध की देखरेख करना सुविधाजनक रहता है।
- रोगों और कीटों से सुरक्षा के लिए उचित उपचार किया जा सकता है।
- पौध को नर्सरी में उगाने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान की जा सकती है।
- अगेती बुवाई करके आमदनी बढ़ाई जा सकती है।
- नर्सरी में सिमित स्थान में, कम बीजों से अधिक उत्पादन किया जा सकता है।
- नर्सरी में तैयार पौधों में रोपाई के समय लगने वाले आघात को सहने की क्षमता पाई जाती है।